नये पाठ्यक्रमों वाला डिग्री कालेज व स्पोर्ट काम्प्लेक्स

कानपुर, शिक्षा संवाददाताः भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) अपने स्वर्ण जयंती वर्ष को यादगार बनाने की मशक्कत कर रहा है। संस्थान छात्रों व अभिभावकों को नये पाठ्यक्रमों वाला एक उच्चस्तरीय डिग्री कालेज तथा भव्य स्पोर्ट कांप्लेक्स का तोहफा देने की तैयारी में है।

संस्थान के लिये जुलाई 2009 से जून 2010 का सत्र स्वर्ण जयंती वर्ष है। संस्थान कई ऐसे विशेष कार्यक्रम करने की तैयारी में हैं जिन्हें कई वर्षों तक याद किया जाये तथा जिनका लाभ छात्रों, अभिभावकों, कर्मचारियों व शिक्षकों को लाभ मिल सके। संस्थान कैंपस में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिये एक कैंपस स्कूल व एक केंद्रीय विद्यालय है जहां 12 वीं तक की शिक्षा दी जाती है। डिग्री स्तर पर जो छात्र बीटेक में प्रवेश नहीं पा पाते हैं, उनके लिये एक उच्चस्तरीय डिग्री कालेज की जरूरत लंबे अर्से से महसूस की जा रही है। संस्थान की कोशिश है कि स्वर्णजयंती वर्ष में डिग्री कालेज की स्थापना की जा सके। कालेज में कला, विज्ञान व वाणिज्य संकायों के अतिरिक्त आईटी, परफार्मिंग आर्ट्स, विदेशी भाषाएं, पांच वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रम सहित कई और रोजगारपरक पाठ्यक्रम जो नगर के दूसरे कालेजों में नहीं हैं, को शुरू करने की कोशिश होगी। इसके लिये शिवली रोड के पास वाली जमीन उपयोग में लाई जा सकती है। जल्दी ही प्रस्ताव प्रबंध मंडल की बैठक में लाया जायेगा। स्वर्ण जयंती वर्ष में संस्थान में एक स्पोर्ट कांप्लेक्स बनाने की भी योजना पर अमल शुरू कर दिया गया है। इसके लिये स्वीमिंग पूल के पश्चिम ओर की जमीन चिन्हित की गयी है। इसमें इनडोर के साथ आउट डोर गेम की तो सुविधा होगी ही विभिन्न खेलों के लिये सामग्री के साथ उपयुक्त भवन व मैदान भी बनाये जायेंगे। निदेशक प्रो. संजय गोविंद धांडे के मुताबिक स्वर्ण जयंती वर्ष पर ही दिसंबर 2009 में स्पोर्ट्स मीट होगी जिसमें सभी आईआईटी की टीमें भाग लेंगी। लगभग दस करोड़ की इस परियोजना के लिये काम शुरू कर दिया गया है।

जागरण विशेष

आईआईटी स्वर्ण जयंती वर्ष बनेगा यादगार

- दिसंबर-9 में इंटरआईआईटी स्पोर्ट्स मीट
- विधि, आईटी और फाइनेंस के भी विषय

एजुकेशनल मैनेजमेंट कोर्स चलेगा

कानपुर : स्वर्ण जयंती वर्ष में एजुकेशन इंस्टीट्यूट मैनेजमेंट का परास्नातक पाठ्यक्रम शुरू करेगा। यह देश में अपने तरह का पहला पाठ्यक्रम होगा। निदेशक प्रो. संजय गोविंद धांडे के मुताबिक देश भर के हजारों निजी डिग्री, इंजीनियरिंग, एमसीए, एमबीए तथा दूसरे कालेजों की सबसे बड़ी समस्या प्रशिक्षित प्रबंधकों के न मिलने की है। इस तरह की योग्यता वाले प्रबंधकों की भारी जरूरत महसूस की जा रही है। इसी को देखते हुये उक्त पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना तैयार की गयी है। पाठ्यक्रम को इस तरह से डिजाइन किया जायेगा कि डिग्रीधारी छात्र शैक्षिक संस्थान प्रबंधन के सभी गुर में दक्ष हो सकें। शुरुआत जुलाई 2009 से संभावित है।

स्वतंत्र होगा छात्रावास का प्रबंधन

कानपुर : आईआईटी स्वर्ण जयंती वर्ष में छात्रावासों के प्रबंधन को और चुस्त दुरुस्त तथा विकेंद्रित करने की तैयारी मे हैं। नयी व्यवस्था से विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। संस्थान में छात्र छात्राओं के कुल दस छात्रावास हैं। तीन नये छात्रावास जल्दी ही तैयार हो जायेंगे। फिलहाल सभी छात्रावासों का प्रबंधन एक ही विभाग से होता है जिससे छोटे छोटे कामों को कराने में अपेक्षा से अधिक समय लगता है। नयी व्यवस्था में प्रत्येक छात्रावास में एक नियंत्रण कक्ष होगा जहां से छात्रावासों की मरम्मत, देखभाल, वित्तीय कार्य, विकास तथा प्रशासनिक कार्य हुआ करेंगे। छात्रावास समितियों के काम का बंटवारा हो जायेगा।